font>

Title: Regarding Maharashtra-Karnataka border disputes.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण इशू पर आपका और इस अगस्त हाउस का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। महाराट्र और कर्नाटक का बॉर्डर इशू पिछले कम से कम 45 साल से चल रहा है। वहां के मराठी भाषी लोग इस बात को लेकर संर्घा कर रहे हैं कि मराठी भाषी एरिया को महाराट्र के साथ जोड़ना चाहिए। ऐसी उनकी मांग भी है। मेरी सरकार से अपील है कि यदि महाराट्र कर्नाटक का बॉर्डर इशू सॉल्व करना है तो विशाल गोमांतक का जो प्रस्ताव है, उस पर भारत सरकार विचार करे। अध्यक्ष महोदय, बाला साहेब ठाकरे जी ने भी विशाल गोमांतक संबंधी प्रस्ताव का समर्थन किया था। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः इसमें दोनों पार्टियों की भूमिका एक ही है।

श्री रामदास आठवले : हमारी मांग है कि विशाल गोमांतक बना कर इस समस्या को हल करना चाहिए। हम इस बारे में भारत सरकार की तरफ से जवाब चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are also allowed to associate with this matter.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) :अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात का समर्थन करता हूं। वहां मराठी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। यह सवाल त्वरित हल होना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)अध्यक्ष महोदय,आप जब महाराट्र के मुख्यमंत्री थे, आपने इसके लिए प्रयास किया था।